

विद्यार्थी हित में प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित, वर्तमान से अच्छा बनने के लिए लक्ष्य निर्धारण जरूरी : ऋषिकेश पाठक

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

आरा: स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग नेआई.क्यू.ए.सी. महाराजा कॉलेज के तत्वावधान में 18 अगस्त, 2025 को स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर के छात्रों के लिए एक प्रशिक्षण सह कार्यशाला सत्र का आयोजन किया। आमंत्रित अतिथि एक प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षक और प्रेरक वक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, ऋषिकेश पाठक थे, जिन्होंने दुनिया के 25 देशों में 3.9 मिलियन से अधिक लोगों को प्रशिक्षित और प्रेरित किया है। उन्होंने अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, दुबई, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और पूरे भारत में सत्र आयोजित किए हैं।

महाराजा कॉलेज की प्राचार्य प्रो. कनकलता कुमारी ने कहा की ज्ञान अर्जित करने की कोई सीमा नहीं है। विद्वान लोगों की संगति, उनके दिये गये सदिश, उनके उपदेश को आत्मसात कर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। कॉलेज के विद्यार्थियों को इनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है।

महाराजा कॉलेज के अंग्रेजी



विभाग की संयोजक और सहायक प्रो. डॉ. वंदना सिंह ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि सफलता शून्य से शुरू नहीं होती; यह शून्य से उत्पन्न एक मजबूत योजना और निरंतर प्रयास का परिणाम है। भय से मुक्त होना, लगातार छोटे-छोटे कदम उठाना, गिरना और फिर उठ खड़ा होना, यही शिखर तक पहुंचने का सही सुलभ और आसान रास्ता है। दूसरों की सफलता से घृणा न करना, बल्कि उनसे प्रेरणा लेना ही सच्चा ज्ञान है। पहले खुद पर विश्वास करो, फिर अपने काम पर, फिर अपने लक्ष्य पर विश्वास करो—यही क्रम है। समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित करके, आप कुछ हासिल तो कर सकते हैं, लेकिन आपके जीवन पर इसका कोई असर नहीं होगा। पूरे साल के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के बजाय, बस यह एक बात तय करें:

दिन के अंत तक, आप थोड़े ज्यादा खुश, थोड़े ज्यादा उन्नत, थोड़े बेहतर और अपने लक्ष्य पर ज्यादा केंद्रित होने चाहिए। बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाएं।

अपने प्रशिक्षण संवाद के दौरान श्री ऋषिकेश पाठक ने छात्रों को बताया कि कैसे एक साधारण बच्चा, जिसने अभी तक सपने देखना शुरू नहीं किया है, शून्य से शिखर तक पहुंच सकता है। उन्होंने जो रणनीतियां बताई कि लोग जीवन के महान लक्ष्यों को कैसे चुनें और असंभव को कैसे संभव बनाएं इसे प्राप्त करने के लिए विकासशील रणनीतियां प्रदान कीं। हम सभी के जीवन के लिए विभिन्न लक्ष्य होते हैं और हम अपना पूरा जीवन उन लक्ष्यों का पीछा करते हुए बिता देते हैं। आप अपने जीवन के लिए लक्ष्यों की जांच और निर्धारण करने का एक समग्र तरीका सीखेंगे। छात्रों के साथ अपने सत्रों के दौरान साझा की गई अंतर्दृष्टि और रणनीतियों की छात्रों ने बहुत सराहना की। हम जीवन में लक्ष्य क्यों निर्धारित करना चाहते हैं और फिर उन्हें प्राप्त करने

के लिए काम करना चाहते हैं? क्योंकि हम आगे बढ़ना चाहते हैं। हम वर्तमान में जो हैं उससे कुछ अधिक बनना चाहते हैं। इसलिए हम एक लक्ष्य बनाते हैं और उसे प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। लेकिन अपने लिए लक्ष्य निर्धारित करते समय, हम केवल एक ही दिशा में सोचते हैं। यह केवल एक कथन नहीं है, बल्कि एक जीवन-दृष्टि है: जहां सबसे बड़ी बाधाएं दिखाई देती हैं, वहां सबसे बड़ी संभावनाएं पनपती हैं।

जीवन में हर किसी को किसी न किसी मोड़ पर शून्य की स्थिति का सामना करना पड़ता है—अपनों का अभाव, असफलता का भय, परिस्थितियों की मार। लेकिन अगर वह शून्य कड़ी मेहनत, धैर्य और सकारात्मक दृष्टिकोण से भरा हो, तो उसका कोई अर्थ नहीं रह जाता—यह एक ऐसा मंच बन जाता है जहां से हम शीर्ष की ओर कदम बढ़ाते हैं। आगामी परियोजनाओं में अक्टूबर माह से पांच छात्रों को चुनने का प्रस्ताव दिया, जिन्हें वे अपने वीडियो संपादन कौशल विकसित करने के लिए चुनेंगे।

ज्ञान से विद्यार्थियों को मिलती है सफलता

प्रशिक्षण

आरा, निज प्रतिनिधि। महाराजा कॉलेज के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग ने आईक्यूएसी के सहयोग से स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला सत्र का आयोजन किया। मौके पर अतिथि कॉरपोरेट प्रशिक्षक ऋषिकेश पाठक मौजूद थे।

कॉलेज की प्राचार्य प्रो. कनकलता कुमारी ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने से विद्यार्थियों को सीखने और जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। उम्मीद है कि यह परामर्श सत्र विद्यार्थियों के लिए बहुत फायदेमंद होगा। अंग्रेजी विभाग की संयोजक और सहायक प्रोफेसर डॉ. वंदना सिंह ने स्वागत भाषण किया। प्रशिक्षण संवाद के दौरान ऋषिकेश पाठक ने विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्त करने के तरीके बताए। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्र एकाग्र सकारात्मक मानसिकता के साथ सफलता



महाराजा कॉलेज में प्रशिक्षण सह कार्यशाला में मौजूद प्राचार्या प्रो कनक लता सहित अतिथि।

प्राप्त कर सकते हैं। कहा कि विद्यार्थियों को अपने कौशल का विकास करना चाहिए। प्रशिक्षण सह कार्यशाला के बाद छात्रों के साथ एक संवाद सत्र का आयोजन किया गया। संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. शाहनवाज आलम ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. श्रद्धा सिंह ने किया दिया। डॉ. अरविंद,

अंग्रेजी विभाग के शैलेश रंजन आदि मौजूद थे। मालूम को श्री पाठक ने दुनिया के 25 देशों में 3.9 मिलियन से अधिक लोगों को प्रशिक्षित और प्रेरित किया है। उन्होंने अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, दुबई, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और पूरे भारत में सत्र आयोजित किए हैं।

महाराजा कॉलेज के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का सेमिनार

शून्य से शिखर तक पहुंचने के लिए लक्ष्य और योजना जरूरी : ऋषिकेश पाठक

continued from page 10

[illegible][illegible]

महाराजा कॉलेज के पांच छात्र-छात्राओं का अक्टूबर से चयन



24. *संस्कृत भाषा में संज्ञा के रूप में प्रयोग की जाय।*

ज्ञान प्राप्त करने से जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद मिलेगी

परापूर्वक कलियोग की जानकारी हो, कनकलता कुमारी ने कहा, 'उन ज्ञान करने से उन्हें जीवितों और जीवितों में शामिलता ज्ञान करने में मदद मिलेगी।' अस्पष्ट है कि वह परमार्थ मात्र साक्षात् के लिए बहुत परवर्धन है। अज्ञान कलियोग के अनेकी विभाग की संवेदन और अज्ञान के लिए डॉ. कनकलता ने बताया कि ज्ञान में अज्ञान के अज्ञानता रूप में अज्ञान नहीं होती, वह अज्ञान में अज्ञान एक अज्ञानता जीवन और ज्ञान ज्ञान का जीवन है। यह से ज्ञान होना, ज्ञानता की-की ज्ञान ज्ञान, ज्ञान और फिर वह ज्ञान होना, यही ज्ञान वह ज्ञान का यही ज्ञान है। दूसरी की अज्ञानता से ज्ञान नहीं जाना, ज्ञान ज्ञान ज्ञान ज्ञान से ज्ञान ज्ञान है। ज्ञान ज्ञान पर ज्ञानता की, फिर ज्ञान ज्ञान पर, फिर ज्ञान ज्ञान पर ज्ञानता की, यही ज्ञान है। ज्ञान-ज्ञान ज्ञान निश्चित कर ज्ञान ज्ञान ज्ञान से कर ज्ञान है, ज्ञान ज्ञान ज्ञान पर ज्ञानता की ज्ञान नहीं होना। यह ज्ञान के ज्ञान ज्ञान निश्चित करने के ज्ञान, ज्ञान यह एक ज्ञान ज्ञान है। ज्ञान के ज्ञान ज्ञान, ज्ञान यही ज्ञान ज्ञान, यही ज्ञान ज्ञान, यही ज्ञान और ज्ञान ज्ञान पर ज्ञानता की ज्ञान ज्ञान है। यही ज्ञान है, उन्हें ज्ञान करने के लिए यही ज्ञान ज्ञान ज्ञान।

कॉलेज के विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर और स्नातक स्तरों ने मांग किया

[illegible]

**छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतिष्ठान
कार्यक्रमों में शामिल होना चाहिए**

संविधान के अन्तर्गत ही राज्य के नागरिकों को निम्नलिखित अधिकार प्राप्त हैं—

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान : प्राचार्या प्रो. कनकलता



आरा, अंग भारत। महाराजा कॉलेज आरा के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग ने आईक्यूएसी के तत्वाधान में सोमवार को स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर के छात्रों के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला सत्र का आयोजन किया। अतिथि के रूप में प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षक और प्रेरक वक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता ऋषिकेश पाठक थे। जिन्होंने दुनिया के 25 देशों में 3.9 मिलियन से अधिक लोगों को प्रशिक्षित और प्रेरित किया है। अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, दुबई, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और पूरे भारत में सत्र आयोजित किए हैं। इस अवसर पर महाराजा कॉलेज की प्राचार्या प्रो. कनकलता

- ♦ महाराजा कॉलेज के पीजी अंग्रेजी विभाग ने किया प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन
- ♦ छात्रों के साथ संवाद सत्र, एक्सपर्ट करेंगे छात्रों का कौशल विकसित

कुमारी ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करने से उन्हें सोचने और जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

उष्मीर है कि यह परामर्श सत्र छात्रों के लिए बहुत फलप्रसूत होगा। महाराजा कॉलेज के अंग्रेजी

जहां दिखे बाधा वहां पनपती है संभावनाएं : ऋषिकेश पाठक

अपने प्रशिक्षण संवाद के दौरान श्री ऋषिकेश पाठक ने छात्रों को बताया कि कैसे एक सपना बनना, जिसने अभी तक सपने देखना शुरू नहीं किया है, शून्य से शिखर तक पहुँच सकता है। उन्होंने जो रणनीति बताई, वे इस बात से जुड़ी थी कि लोग जीवन के महान लक्ष्यों को कैसे चुनें और असंभव को कैसे संभव बनाएं। कहा कि जहाँ सबसे बड़ी बाधाई दिखाई देती है, वहाँ सबसे बड़ी संभावनाएँ पनपती हैं। उन्होंने छात्रों को विभिन्न प्रशिक्षण

कार्यक्रमों में शामिल होने का प्रस्ताव दिया। जिनसे उन्हें लाभ होगा और महाराजा कॉलेज के छात्रों के लिए इन आगामी परिषदों में, उन्होंने अक्टूबर माह से पाँच छात्रों को चुनने का प्रस्ताव दिया। जिन्हें वे अपने वीडियो संपादन कौशल विकसित करने के लिए चुनेंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्र एकाग्र सकारात्मक मानसिकता के साथ सफलता प्राप्त कर सकते हैं और उन्हें अपने कौशल का विकास करना चाहिए।

विभाग की संयोजक और सहायक प्रोफेसर डॉ. वंदना सिंह ने कहा कि सफलता शून्य से शुरू नहीं होती, वह शून्य से उत्पन्न एक मजबूत योजना और निरंतर प्रयास का परिणाम है। भय से मुक्त होना, लगातार छोटे-छोटे कदम उठाना, गिरना और फिर उठ खड़ा होना, यही शिखर तक पहुँचने का सही रास्ता है। दूसरों की सफलता से घृणा न करना, बल्कि उनसे प्रेरणा लेना ही सच्चा ज्ञान है। प्रशिक्षण

कार्यशाला में विभिन्न विभागों के सभी संकाय सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी डॉ. राजनराज आलम और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अरविंद ने किया। डॉ. अरविंद सहायक प्रोफेसर भूगोल विभाग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अंग्रेजी विभाग के प्रमुख शैलेश रंजन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रशिक्षण सत्र में छात्र स्वयंसेवक और शोधार्थी मौजूद थे।

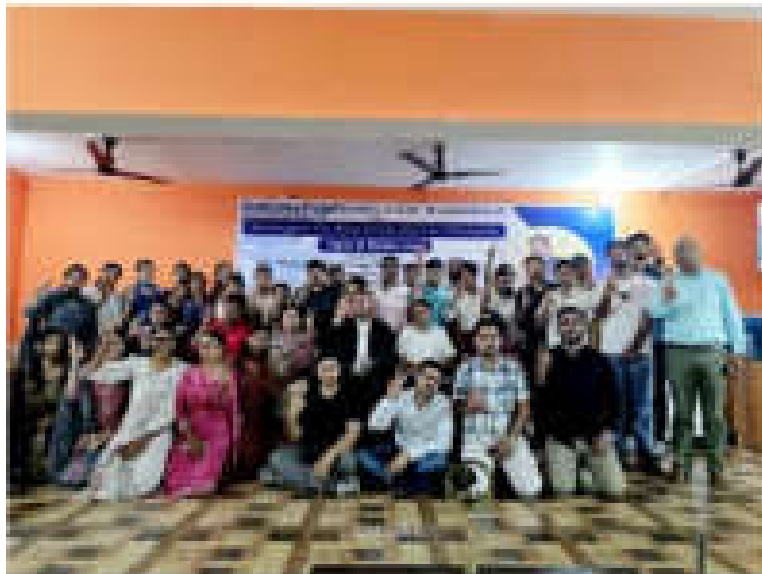
महाराजा कॉलेज, आरा के पीजी अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला



Keywords: child sexual abuse; disclosure; self-blame

1000

• **Wavelength** – distance between two consecutive peaks or troughs



Keywords: child sexual abuse; disclosure; self-blame

[illegible]

महात्मा गांधी के अहिंसक विचारों को सर्वप्रथम जो व्यवहार प्रयोग की कदम गांधी ने अपने स्वयं भाषण में कहा कि सर्वप्रथम युद्ध में युद्ध नहीं होता, यह युद्ध में उग्रता का संयुक्त प्रयोग और निरंतर प्रयास का परिणाम है। अतः मैं युद्ध हूँ, समझता हूँ, अहिंसक युद्ध, निरंतर और फिर उग्र युद्ध हूँ, यही विचार एक चतुर्धन का सही संकेत है। दूसरी ओर समझता मैं युद्ध न करूँ, बल्कि उसमें ऐसा होना ही सच्चा हस्त है। पहले युद्ध का विचार करो, फिर अपने काम पर, फिर अपने तथा पर विचार करो—यही क्रम है। समझते तथा निर्धारित करते, आप कुछ हस्ताक्षर तो कर सकते हैं, लेकिन आपके जीवन पर इसका कोई असर नहीं होगा। भू-सत के लिए लड़ना निर्धारित करने के बजाय, हम यह एक बात समझें कि दिन के अंत तक, हम छोटे जहाज युद्ध, छोटे जहाज उग्र, छोटे युद्ध और अपने तथा पर लड़ाई के लिए होने चाहिए। बड़े अपने हैं और उन्हें पर करने के लिए छोटे छोटे युद्ध उग्र हैं।

अपने प्रतिष्ठित संस्था के दौरान की अभिव्यक्त प्रत्यक्ष में जारी की कारण कि कैसे एक कार्यक्रम बना, जिसने सभी तक अपने देश का ध्यान खींचा था, मुझ से निष्ठा तक धीरे प्रकट है। उन्होंने जो कार्यवाही करवाई, वे इस बात से खुशी थी कि जो लोग जीवन के प्रदान तत्वों को कैसे चुने और आभार को कैसे व्यक्त करती। उन्होंने अपने प्रतिष्ठित और प्रेरक भाषण में इसे प्रसार करने के लिए विश्वव्यापी कार्यवाही प्रदान की। हम सभी के जीवन के लिए शिक्षित लोग हैं। और हम अपने पूरा जीवन उन तत्वों का विश्रुत करने हुए बिना नहीं हैं। आप अपने जीवन के लिए तत्वों की जीव और निर्माण करने का एक समग्र तरीका सीखेंगे। जारी के साथ अपने सभी के दौरान साक्ष्य की गई अंतर्दृष्टि और कार्यवाही की जारी ने बहुत समर्थन की। हम जीवन में तब भी निर्धारित करना चाहते हैं और फिर उन्हें प्राप्त करने के लिए काम करना चाहते हैं। क्योंकि हम अपने बदल चाहते हैं। हम जीवन में जो है उसने कुछ अधिक करना चाहते हैं। इसलिए हम एक साथ बनते हैं और उसे प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। लेकिन अपने लिए तब निर्धारित करने समय, हम केवल एक ही दिशा में चलाते हैं। यह केवल एक कथन नहीं है, क्योंकि एक जीवन नहीं है। जहाँ सभी बड़ी बहाली दिखाई देती है, जहाँ सभी बड़ी संभवताएँ प्रकट होती हैं। जीवन में हर किसी को किसी न किसी मोड़ पर मुझ की स्थिति का सामना करना पड़ता है—आपकी का समय, असफलता का भय, कार्यवाही की गति। लेकिन अगर वह मुझ काई मेहनत, पैर और संकल्पनात्मक दृष्टिकोण से भरा हो, तो प्रत्यक्ष कोई भी नहीं था। यह एक ऐसा संघ का जगत है जहाँ से हम जीव की ओर बढ़ते बढ़ते हैं। उन्होंने जारी की शिक्षित प्रतिष्ठित कार्यवाही में समर्थन देने का प्रस्ताव दिया, जिसने उन्हें साथ लेगा, और महाराष्ट्र संविधान के जारी के लिए इन आपसी कोषोपयोगिता में। उन्होंने अद्भुत राह से पीछे जारी की चुनने का प्रस्ताव दिया जिन्हें वे अपने विविध कार्यक्रम कोन्सल विस्तारित करने के लिए चुने। उन्होंने सुझाव दिया कि महाराष्ट्र एकत्रित संकल्पनात्मक कार्यवाही के साथ संकल्पना प्रदान कर सकते हैं और उन्हें अपने जीवन का विकास करना चाहिए। प्रतिष्ठित और कार्यवाही के बाद जारी के साथ एक समर्थन का यह का अभिव्यक्त किया गया।

प्रशिक्षण सब कार्यवाहता में अधिन के विभिन्न विभागों के सहकारित और आगत कार्य में भग विभाग प्रशिक्षण कार्यवाहता में विभिन्न विभागों के सभी संलग्न सदस्य उपस्थित थे। डॉ. महमूद अहमद, महमूद फारूक, अजीजी में कार्यक्रम का संयोजन किया और डॉ. बहादुर महमूद, फारूक, अजीजी में धनसद प्रदान किया। प्रशिक्षण सब में सरा सहसंयोजक और सहभागी डॉ. अजिज महमूद अजीजी भूगोल विभाग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को अजीजी विभाग के प्रमुख सैफुल्लाह द्वारा समर्थित किया गया था।

TRAINING-CUM-WORKSHOP
on
Rise From Zero

से शिखर तक

Organised by
English, Mah
for the Regis of
Maharaja Col

: 18-08-25

Prof.
Prin







ONE-DAY TRAINING-CUM-WORKSHOP on

Strategies From Zero to Pi

से शिखर तक

Organised by

PG, Department of Mathematics, Maharaja College,

Ara,

Bihar, 2025

Inauguration & Chairperson by

Dr. Lata Kumar, Maharaja College,

Ara, Bihar, 2025



ONE DAY TRAINING-CUM-WORKSHOP
on
Strategies To Rise From Zero to Pinnacle
“शून्य से शिखर तक”
organised by
P.G. Department of English, Maharaja College, Ara
under the Aegis of
I.Q.A.C, Maharaja College, Ara
Date : 18-08-2025

Convenor
Dr. Vandana Singh
P.G. Department of English

Patron & Chairperson
Prof. Kanak Lata Kumari
Principal, Maharaja College, Ara



TRAINING-CUM-WORKS
on
Rise From Zero to Pin
न्य से शिखर तक”
organised
of English
under the
, Maha
ate : 1
gh
lish
pairperson
ata Kum
ja College, A



ONE-DAY TRAINING-CUM-WORKSHOP on

Strategies To Rise From Zero to Pinnacle

“शून्य से शिखर तक”

Organised by
P.G. Department of English, Maharaja College, Ara
Under the Aegis of
Maharaja College, Ara
18-08-2025

Convener
Dr. Vandana
P.G. Department

Patron & Chairperson
Prof. Kanak Lata Kumari
Principal, Maharaja College, Ara



Rishabh
International Center
Muzaffarpur



